देवभोग
दूध एवं दुग्ध पदार्थ
सबसे ताजा - सबसे शुद्ध

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित, रायपुर

आपका हार्दिक अभिनंदन करता हैं।

उपलब्धियो का विवरण

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित की उपलब्धियां

क्रमांक	विवरण	वर्ष 2003–04	वर्ष 2015–16	वृद्धि का प्रतिशत	वर्ष 2016–17 (सितंम्बर तक)
1	दुग्ध सहकारी समिति गठन (संख्या)	188	724	385.11 %	735
2	औसत दुग्ध संकलन (कि.ग्रा. प्रतिदिन)	16,710.0	77,170.0	461.82 %	81825
3	दुग्ध विपणन (लीटर प्रतिदिन)	28,810.0	58,810.0	204.13 %	81515
4	दुग्ध उत्पादो का विक्रय (लाख रू. में)	138.20	1,621.00	1172.94 %	877.80
5	दुग्ध उत्पादको को भुगतान (लाख रू. में)	518.25	8,075.00	1558.13 %	4303.84
6	प्रति सदस्य/प्रतिदिन दुग्ध संकलन में वृद्धि (लीटर में)	2.88	4.94	171.52 %	5.14
7	दुग्ध उत्पादको को दिये जा रहे दूध का मूल्य (प्रति लीटर)	8.73	28.75	329.32 %	29.75
8	शीत श्रृंखला विस्तार (प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) द्वारा नियमित समीक्षा में लिया गया कार्यक्रम)				बसना शीत केन्द्र में **30000** लीटर का तत्काल दुग्ध शीतलीकरण ईकाई (IMC UNIT) की स्थापना प्रचलन में।
	8.1 दुग्ध संयंत्र (प्रसंस्करण क्षमता लीटर)	75,000	1,41,000	188.00 %	
	8.2 दुग्ध शीत केन्द्र (प्रसंस्करण क्षमता लीटर)	16,500	47,000	293.75 %	**31** नवीन बल्क मिल्क कूलर ईकाई स्थापना प्रचलन में है, इससे **57000** लीटर अतिरिक्त शीतलीकरण क्षमता विस्तार होगा।
	8.3 बल्क मिल्क कूलर ईकाई (क्षमता लीटर)	4,000	31,500	787.50 %	

9–दुग्ध महासंघ का गठन– फरवरी 2013 में

10–मानव संसाधन विकास–

दुग्ध उत्पादन तकनीक हेतु **6786** पशुपालको का व्यवहारिक प्रशिक्षण।

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) भेजकर **714** कृषक प्रशिक्षित।

11–घर पहुंच पशु चिकित्सा सेवा (गोवर्धन) योजना–

पशु स्वास्थ्य, प्रजनन एवं प्रतिबंधात्मक टीकाकरण तथा चारा विकास कार्यक्रम के विस्तार हेतु एन.जी.ओ. के माध्यम से **''गोवर्धन''** योजना प्रारंभ।

–महासमुंद एवं रायगढ़ जिले में **3** मोबाईल वेटनरी यूनिट एवं **30** एकीकृत पशु विकास/कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र

–धमतरी जिले में कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिब्लिटी (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत **3** मोबाईल वेटनरी यूनिट संचालित।

–कांकेर जिले के पखांजूर क्षेत्र में कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिब्लिटी (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत **5** इंटीग्रेटेड लाईव स्टाक सेन्टर संचालित।

–जांजगीर–चापा जिले में कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिब्लिटी (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत **2** इंटीग्रेटेड लाईव स्टाक सेन्टर संचालित।

12–भारत सरकार द्वारा (केन्द्र पोषित एवं केन्द्र प्रवर्तित) डेयरी विकास योजनायें–

12.1– सघन डेयरी विकास परियोजना–

रायपुर, राजनांदगांव, धमतरी एवं महासमुंद जिलो में योजनान्तर्गत 5 वर्षो में 190 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन तथा 12000 लीटर क्षमता के 8 बल्क मिल्क कूलर ईकाई केन्द्र स्थापित।

12.2–नेशनल प्रोग्राम फार डेयरी डेव्लपमेंट (NPDD)–

–इस योजना में कांकेर, जांजगीर–चांपा, बालोद एवं बेमेतरा जिलो में 5 वर्षो में 180 दुग्ध सहकारी समितियों के गठन की कार्यवाही प्रचलन में।

–इस योजना के अंतर्गत 13 नवीन बल्क मिल्क कूलर ईकाईयों से 26000 लीटर शीतलीकरण क्षमता विस्तार का कार्य प्रचलन में।

12.3–नेशनल डेयरी प्लान फेस–1 (NDP-1)

वर्ष 2012–13 में भारत सरकार द्वारा देश के 90 प्रतिशत दुग्ध उत्पादक 14 राज्यो हेतु पंचवर्षीय योजना स्वीकृत की गई थी। राज्य शासन के विशेष पहल पर भारत सरकार द्वारा मई 2015 में छत्तीसगढ़ राज्य को सम्मिलित करते हुए योजना अवधि में 2 वर्ष की वृद्धि की गई तथा निम्न योजनायें अक्टूबर 2015 में स्वीकृत की गई।

अ–ग्राम आधारित दुग्ध आधिप्राप्ति प्रणाली (VBMPS)

I. 53 नवीन दुग्ध समितियों का गठन
II. 18 बल्क मिल्क कूलर ईकाईयो से 31000 दुग्ध शीतलीकरण क्षमता का विस्तार
III. 77 दुग्ध समितियों में आटोमेटिक मिल्क कलेक्शन यूनिट (AMCU) की स्थापना

ब–आहार संतुलन कार्यक्रम (RBP)

स्थानीय संसाधनो के उपयोग से सस्ते से सस्ता, पशु खाद्यान्न तैयार करने की तकनीक के प्रशिक्षण हेतु, पायलट आधार पर, 100 ग्रामो में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के सहयोग से, आहार संतुलन कार्यक्रम प्रारंभ।

13–क्षेत्र विशेष मिनिरल मैपिंग–

स्वायल हेल्थ कार्ड की तर्ज पर, सस्ता पशु खाद्यान्न निर्माण हेतु, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के सहयोग से राज्य की क्षेत्र विशेष मिनिरल मैपिंग ।

14–पशुआहार एवं परिवहन अनुदान का वितरण–

राज्य के दुग्ध उत्पादको को दुग्ध समिति में प्रदाय किये गये प्रति लीटर दूध पर 250 ग्राम संतुलित पौष्टिक पशुआहार (रू. 3.75 का) निःशुल्क वितरण एवं राज्य शासन द्वारा घोषित प्रति लीटर दूध पर रू. 2.50 परिवहन अनुदान का वितरण।

15–पारदर्शिता के उपाय–

कार्पोरेट बैंकिग के माध्यम से दुग्ध समितियों के सीधे खाते में भुगतान प्रारंभ।

16–हरा चारा उत्पादन कार्यक्रम–

दुग्ध उत्पादन लागत में कमी, उत्पादकता वृद्धि, पशु स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र में एन.जी.ओ. के माध्यम से **CO-4** हाईब्रीड नेपियर मदर नर्सरी तैयार कर, नेपियर रूट–कट का गांव–गांव में निःशुल्क वितरण अभियान प्रारंभ किया गया।

हाईब्रीड नेपियर

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित की वर्षवार प्रगति विवरण

विवरण	2008–09	2010–11	2011–12	2012–13
संचालित समितियों की संख्या	198	214	220	257
औसत दुग्ध संकलन प्रतिदिन (कि.ग्रा.)	23,740	24,600	30,270	36,640
औसत दुग्ध विपणन प्रतिदिन (लीटर में)	34,630	33,960	34,700	34,360
दुग्ध उत्पादको को भुगतान (लाख रू.)	959.3	1355.1	2161.0	2997.6

विवरण	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17 (सितंम्बर 16 तक)
संचालित समितियों की संख्या	413	635	724	735
औसत दुग्ध संकलन प्रतिदिन (कि.ग्रा.)	41,280	52,440	77,170	81,825
औसत दुग्ध विपणन प्रतिदिन (लीटर में)	41,210	46,450	58,810	81,515
दुग्ध उत्पादको को भुगतान (लाख रू.)	4161.2	5600.0	8075.0	4303.84